# सच्चे मन से गुरुवर का तुं ध्यान लगायेगा

(तर्ज: कन्हैया दौड़े आते है...)

सच्चे मन से गुरुवर का तुं ध्यान लगायेगा
पार तुं खुद को पायेगा

गुरु हमारे सच्चे देवा ,
दुख और दर्द है सबके खेवा ,
पल दो पल कर इनकी सेवा ,
सुमिरण से तेरा भाग जगेगा , मौज उड़ाएगा

जीवन का सब सार गुरु है ,
बहते जल कि धार गुरु है ,
करते नैया पार गुरु है ,
हृदय का प्रकाश गुरु है , ज्योत जगाएगा

गुरु कृपा जब भी बरसावे ,
श्याम शरण तुमको ले जावे ,
मन मन्दिर में ज्ञान जगावे ,
भटके को रस्ता मिल जावे , जो तुं ध्याएगा

मन में अपने भाव जगाले ,
आकर के गुरु देव मनाले ,
"देवकीनन्दन" शीश झुकाले ,
पल दो पल का ध्यान लगाले , सब मिल जाएगा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10553/title/sache-mn-se-gurvaar-ka-tu-dhyaan-lgyaaega

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |